जिला लाहौल–स्पिति

1. परिचय :–

जिला लाहौल–स्पिति भारत की उत्तरी सीमा के साथ स्थित होने के कारण देश एवं प्रदेश में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह पूर्व में तिब्बत , उत्तर में जम्मू–कशमीर, दक्षिण में कुल्लू तथा पश्चिम में चम्बा से घिरा हुआ है। यह जिला उत्तरी अक्षांश पर 31 44' 57'' और 33 42 54 व पूर्वी रेखांश 76 56 29 और 78 41 34 के मध्य स्थित है। इस जिला का गठन प्रथम जुलाई 1960 को कांगड़ा जिला के कुल्लू सव–डिवीजन में से लाहौल व स्पिति तहसीलों को निकाल कर किया गया। पंजाब राज्य के पुनर्गठन पर 1966 में यह क्षेत्र हिमाचल प्रदेश में शामिल किया गया। सन 1975 में चम्बा जिले की चार पंचायतें तिन्दी, उदयपुर, त्रिलोकनाथ तथा मियाड़ नाला भी इस जिले में सम्मिलित की गई। इस समय जिले के दो भाग लाहौल मुख्यालय केलांग तथा स्पिति मुख्यालय काजा हैं। जिले का मुख्यालय केलांग में है। सारा जिला संविधान के अन्तर्गत अनुसूचित जनजातीय क्षेत्र है। क्षेत्र के तेजी से विकास के लिये सरकार द्वारा यहां इकहरी शासन प्रणाली अपनाई गई है। उपायुक्त केलांग तथा स्पिति में अतिरिक्त उपायुक्त काजा को आवासीय उपायुक्त की शकितयां दी गई हैं।

2. क्षेत्रफल एवं जनसंख्या :–

जिले का कुल भोगौलिक क्षेत्रफल 13,835 वर्ग कि0 मी0 है। जो कि प्रदेश के क्षेत्रफल का अधिकतम भाग 24.85 प्रतिशत है। प्रशासनिक स्तर पर इस जिले में 3 उप–मण्डल, 2 तहसीलें, एक उप–तहसील तथा दो सामुदायिक विकास खण्ड हैं। ग्राम पंचायतों की कुल संख्या 41 है तथा आबाद गांव कुल 287 हैं। 1971 की जनगणना के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या 27,568 थी, जिसमें 15,168 पुरुष तथा 12,400 स्त्रियां थी। 1981 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या 32,100 थी जिसमें 18,171 पुरुष एवं 13,929 स्त्रियां थी। 1991 की जनगणना के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या 31,294 है जिसमें 17,224 पुरुष एवं 14,070 स्त्रियां हैं। तथा 2001 की जनगणना के अनुसार जिले की जनसंख्या 33,224 है जिसमें 18,441 पुरुष तथा 14,783 स्त्रियां हैं। जनसंख्या का घनत्व 2 व्यक्ति प्रति वर्ग किलो मीटर व लिंग अनुपात 802 है। 2001 की जनगणना अनुसार जिले की साक्षरता दर 73.10 तथा 1991 की जनगणना के अनुसार साक्षरता दर 56.82 थी । वर्ष 2001 की जनगणना अनुसार अनुसूचित जाति की जनसंख्या 2605 है। जिले की जनसंख्या में अधिकतर बौद्ध व हिन्दू हैं । क्षेत्रफल के अनुसार यह जिला प्रदेश में सवसे बड़ा तथा जनसंख्या के अनुसार सवसे छोटा है ।

3. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण :–

लोक कल्याण के लिये गावों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करना प्रत्येक सरकार का मुख्य कर्तव्य है । इसी उदेश्य की पूर्ति हेतु 31.03.2006 के अनुसार जिले में 4 ऐलोपैथिक चिकित्सालय / सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र , 9 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र , 5 औषधालय व 35 स्वास्थ्य उप–केन्द्र कार्य कर रहे थे । इसके अतिरिक्त एक आयुर्वेदिक चिकित्सालय व 21 आयुर्वेदिक औषधालय भी लोगों को चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रहे हैं । वर्ष 2005–06 में ऐलोपैथिक और आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में कुल 1,55,032 रोगियों की चिकित्सा की गई । अच्छी अर्थ व्यवस्था के लिये जनसंख्या को नियन्त्रित करना आवश्यक है । वर्ष 2005–06 में जिले में 45 नसबन्दी तथा 68 नलबन्दी आप्रेशन किये गये हैं । इसके अतिरिक्त 190 लूप लगाये गये ।

4. शिक्षा :–

जिले में शिक्षा संस्थानों का व्यापक विस्तार किया गया है। वर्ष 2005–06 में जिले में कुल 205 प्राथमिक , 33 माध्यमिक , 15 उच्च व 14 वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालायें तथा एक महाविद्यालय लोगों को शिक्षा सुविधाएं प्रदान कर रहे थे । इन संस्थानों में 2400 छात्र प्राथमिक स्तर पर , 1203 माध्यमिक स्तर पर , 2033 उच्च/ वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तथा 69 छात्र महाविद्यालय स्तर पर शिक्षा प्राप्त कर रहे थे । इन शिक्षा संस्थानों में क्रमशः 340, 149, 363 तथा 12 शिक्षक शिक्षण कार्य कर रहे थे ।

Downloaded from http://hplahaulspiti.gov.in Information as on August'2007

5. मौसम :–

वर्षा समस्त जिले में सीमित होती है । वर्ष 2006 के दौरान जिले में 348.2 मि0 मी0 वर्षा रिकार्ड की गई ।

6. समाज कल्याण :–

लाहौल–स्पिति जिले में बृदावस्था पैन्शन योजना के अन्तर्गत वर्ष 2005–06 में 1262 व्यक्तियों को पैन्शन दी गई तथा 30,63,619 रु0 व्यय किये गये । इसके अतिरिक्त 404 विधवाओं को भी पैन्शन दी गई , जिस पर मु0 10,00,745 रु0 व्यय किये गये ।

7. रोजगार :–

सन्दर्भ वर्ष 2005 के अन्तर्गत रोजगार सम्बन्धी सुविधायें प्रदान करने के लिये जिले में 3 रोजगार / उप–रोजगार कार्यालय कार्य कर रहे थे । वर्ष के अन्त में चालू पंजिका में कार्य प्रार्थियों की संख्या 4085 थी । 31 मार्च 2006 के अनुसार जिले में कुल 2187 नियमित व 1585 अनियमित कर्मचारी कार्यरत थे ।

8. पुलिस और अपराध :–

जिले में कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये पुलिस बल का विशेष योगदान है । 2005–06 में जिले में तीन पुलिस स्टेशन तथा चार पुलिस चौकियां कार्यरत थी ।

9. कृषि :–

कृषि यहां का मुख्य व्यवसाय है । जिले में वर्ष 2005–06 में कुल फसली क्षेत्र 3489 है0 तथा कुल सिंचित क्षेत्र 3292 है0 था । जिले की मुख्य फसलें गेहुं , मक्की, जौ , आलू , दालें व मटर हैं । आलू व मटर यहॉ की मुख्य नकदी फसलें हैं ।

10. उद्यान :–

वर्ष 2005–06 में जिले के 532 हैक्टेयर भूमि के अधीन फल लगाये गये । तथा फलों का उत्पादन 167 मी0 टन हुआ ।

11. खाद्य एवं आपूर्ति :–

लोगों को आवश्यक वस्तुओं को सस्ते भाव पर उपलब्ध करवाने हेतु वर्ष 2005–06 के दौरान जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अधीन 67 उचित मूल्य की दुकानें कार्यरत थी । वर्ष 2005–06 के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अधीन उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से 7847 क्विंटल गेहुं , 4714 क्विंटल आटा गेहुं तथा 8333 क्विंटल चावल वितरित किये गये ।

12. वन :–

हिमाचल की अर्थ व्यवस्था में वनों का प्रमुख स्थान है । जिले में वर्ष 2005–06 में वनों के अधीन 6,90,791 है0 क्षेत्र था जिसमें 7054 है0 आरक्षित वन , 39,661 है0 सुरक्षित वन तथा 6,44,076 है0 अवर्गीकृत व अन्य वन थे ।

13. पशुधन व कुक्कट :–

पशु गणना 1997 के अनुसार लाहौल–स्पिति जिले में कुल 67,687 पशु व 337 कुक्कट थे । पशुओं की चिकित्सा के लिए वर्ष 2005–06 में 54 पशु चिकित्सालय / औषधालय कार्यरत थे । सन्दर्भ वर्ष के दौरान 41,598 पशुओं की चिकित्सा की गई तथा 18888 पशुओं का प्रवास पर उपचार किया गया ।

14. विद्युत :–

31.03.2006 के अनुसार लाहौल–स्पिति जिले में शत–प्रतिशत जनगणना गांवों का विद्युतिकरण किया गया है तथा जिले में सभी प्रकार के कुल 9051 उपभोक्ता थे ।

15. उद्योग :–

लाहौल–स्पिति जिला औद्योगिक क्षेत्र में अभी भी पिछड़ा हुआ है । कोई भी बड़े स्तर का उद्योग यहां नहीं है । वर्ष 2005–06 में जिले में 3 कारखाने पंजीकृत थे तथा 6 कर्मकार इन इकाइयों में कार्यरत थे ।

16. बैंक :–

वर्ष 2005–06 में जिले में बैंकों की कुल संख्या 14 थी । जिसमें राष्ट्रीयकृत बैंकों की जमा राशि 10729 लाख रु0 तथा अग्रिम राशि 1844 लाख रु0 थी ।

Downloaded from http://hplahaulspiti.gov.in Information as on August'2007

17. परिवहन एवं संचार :–

पहाड़ी क्षेत्रों में यहां परिवहन के साधन पर्याप्त नहीं हैं वहां सड़कों पर ही सर्वथा आश्रित रहना पड़ता है । जिले में पर्यटन विकास हेतु पर्याप्त सड़क सुविधाओं का होना अत्यन्त आवश्यक है। वर्ष 2005–06 में जिले में 239 कि0मी0 पक्की व 555 कि0 मी0 कच्ची सड़कें थी।

18. सहकारिता :–

लाहौल–स्पिति जिले में वर्ष 2005–06 में कुल 115 सहकारी समितियां थी जिसमें 110 प्राथमिक समितियां तथा 5 माध्यमिक समितियां थी।

19. लोक , वित्त तथा कराधान :–

वर्ष 2004–05 के दौरान लाहौल–स्पिति जिले में 14400 प्रूफ लीटर देशी शराब व 14259 प्रूफ लीटर अंग्रेजी शराब का उपभोग हुआ। इसके अतिरिक्त 20044 प्रूफ लीटर बीयर का भी उपभोग हुआ। शराब की दुकानों की लाइसैंस फीस के रुप में 60.25 लाख रु0 की आय हुई।

20. आर्थिक गणना –1998 :–

जिला लाहौल–स्पिति में आर्थिक गणना 1998 के अनुसार कुल 2294 उद्यम कार्यरत थे जिसमें से 79 उद्यम कृषि से सम्बन्धित थे व 2215 गैर– कृषि से सम्बन्धित थे जो कि जिले के सभी आर्थिक पहलुओं को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त सामान्य कार्यरत व्यक्तियों की कुल संख्या 5518 थी।

21. हिम उर्जा :–

वर्ष 2005–06 के दौरान विभाग द्वारा 202 सौर घरेलु रोशनियां , 10 सौर गली रोशनियां , 1150 प्रैशर कुकर , 5 सौर कुकर और 92 अन्य CFL वितरित किये गये।

22. पर्यटन :–

लाहौल–स्पिति जिले की भूमि को देवी–देवताओं की घाटी माना जाता है। इस क्षेत्र में कई प्राचीन मंदिर और गोम्पा क्षेत्र की संस्कृति को संजोए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पर्यटन की दृष्टि से लाहौल–स्पिति अब विश्व पर्यटन मानचित्र में अंकित हो रहा है। प्रत्येक वर्ष हजारों की संख्या में देश–विदेश से पर्यटक इस जिले में घूमने आते हैं। पर्यटकों की बड़ती संख्या को देखते हुए लाहौल घाटी में सिस्सू नामक गांव को पर्यटन गांव घोषित किया गया और आने वाले पर्यटकों के लिये मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा। इस क्षेत्र में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से एक करोड़ रुपए की लागत से केलांग में पर्यटन परिसर का निर्माण किया गया है।

लाहौल–स्पिति जिला एक दृष्टि में।

क्रम सं0	मद	इकाई	सन्दर्भ तिथि	विवरण
1.	2.	3.	4.	5.
1.	सर्वेयर जनरल आफ इंडिया के अनुसार कुल भौगोलिक क्षेत्र	वर्ग कि0मी0	1991 जनगणना	13,833
2.	आवासीय जनगणना गांव	संख्या	2001 जनगणना	287
3.	तहसील / उप–तहसील	,,	31.03.2006	3
4.	नगर	,,	,,	–
5.	सामुदायिक विकास खण्ड	,,	,,	2
6.	जनसंख्या			
	कुल जनसंख्या	,,	2001 जनगणना	33,224
	पुरुष	,,	,,	18,441
	स्त्रियां	,,	,,	14,783
	शहरी जनसंख्या	,,	,,	–
	ग्रामीण जनसंख्या	,,	,,	33,224
	अनु0जाति जनसंख्या	,,	,,	2,605

Downloaded from http://hplahaulspiti.gov.in Information as on August'2007

	अनु0 जन जाति जनसंख्या	,,	,,	24,238
7.	जनसंख्या का घनत्व	व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0	,,	2
8.	साक्षरता दर	प्रतिशत	,,	73.10
9.	लिंग अनुपात।	स्त्रियां प्रति हजार पुरुष	,,	802
10.	कर्मकारः—			
	कुल मुख्य कर्मकार	संख्या	,,	19,209
	कृषक	,,	,,	9,981
	खेतीहर मजदूर	,,	,,	186
	अन्य कर्मकार	,,	,,	9,042
11.	कुल फसली क्षेत्र	हैक्टेयर	2005—06	3,489
12.	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	,,	,,	3,292
13.	शुद्ध सिंचित क्षेत्र	,,	,,	3,292
14.	मुख्य फसलों के अधीन क्षेत्र			
	1. गेहूं	,,	,,	81
	2. मक्की	,,	,,	85
	3 जौ	,,	,,	592
	4. आलु	,,	,,	759
	5. मटर	,,	,,	1591
15.	फलों के अधीन क्षेत्र	,,	,,	532
16.	चिकित्सा संस्थानों की संख्या			
	[क] ऐलोपैथिक संस्थानः—			
	1. चिकित्सालय व सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र	संख्या	,,	4
	2. प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र	,,	,,	9
	3. औषधालय	,,	,,	5
	4. स्वास्थय उप—केन्द्र	,,	,,	35
	[ख] आयुर्वैदिक संस्थानः—			
	1. अस्पताल	संख्या	2005—06	1
	2. औषधालय	,,	,,	21
17.	शिक्षा संस्थानों की संख्याः—			
	1. प्राथमिक पाठशालाएं	,,	,,	205
	2. माध्यमिक पाठशालाएं	,,	,,	33
	3. उच्च / वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाएं	,,	,,	29
	4. महाविद्यालय	,,	,,	1
18.	पशु संस्थानों की संख्याः—			
	1. चिकित्सालय	,,	,,	13
	2. औषधालय	,,	,,	41
19.	विधुतिकृत जनगणना गांवः—	,,	,,	287
20.	सडकेंः—			
	क कच्ची सडकें	कि0मी0	,,	555
	ख पक्की सडकें	,,	,,	239
21.	डाकघर बी0पी0ओ0 इत्यादि सहित	संख्या	,,	47

Downloaded from http://hplahaulspiti.gov.in Information as on August'2007

22.	तारघर	,,	,,	6
23.	बैंकों की संख्या	,,	,,	14
24.	पुलिस थाने / पुलिस चौकियां	,,	,,	7
25.	हि0 प्र0 के कर्मचारी (नियमित)			
	क. राजपत्रित	,,	31.03.2006	121
	ख. अराजपत्रित	,,	,,	2066
	कुलः–	,,	,,	2187
26.	जनगणना गांव यहां पीने का पानी उपलब्ध है।	,,	31.03.2006	287
27.	पशुधन	,,	1997 पशुगणना	67687
28.	सहकारी समितियां	,,	2005–06	115
29.	नगर परिषद / नगर पंचायतें	,,	,,	–
30.	निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या	,,	,,	1
31.	उचित मूल्य की दुकानों की संख्या	,,	31.03.2006	67

Downloaded from http://hplahaulspiti.gov.in Information as on August'2007